एक नजर में

नंदिनी ने बढाया मान

मधुसूदनगढ। हाई स्कूल मधुसूदनगढ़ की छात्रा नंदिनी पुत्री रामेश्वर मीणा ने हाल ही में घोषित हुए हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में 84% अंक हासिल कर ग्राम उकावद का नाम रोशन किया है। नंदिनी उकावद सरपंच धीरज सिंह मीणा की पोती हैं। उनकी इस सफलता पर ग्राम वासियों एवं शिक्षकों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं बधाइयां दी है।

आगरा से दस्तयाब किया लापता किशोर

गुना। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत केंट थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने केंट क्षेत्र से लापता हुए एक 17 वर्षीय नाबालिग बालक को मात्र तीन दिन के भीतर उत्तर प्रदेश के आगरा से सुरक्षित खोज निकाला और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटना के अनुसार, 26 अप्रैल 2026 को बालक के पिता ने उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और सीएसपी प्रियंका मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव की टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी संसाधनों की मदद ली।

लापरवाही : गुना जिला अस्पताल में मानवता शर्मसार

स्ट्रेचर के अभाव में कुर्सी पर घिसटते मरीज, पीठ पर लादकर वार्ड तक ले जाने को मजबूर परिजन

नवभारत न्यूज

गुना 1 मई का। गुना जिले से स्वास्थ्य सेवाओं की जो तस्वीर सामने आई है, उसने न केवल सरकारी दावों की पोल खोल दी है, बल्कि आधुनिक समाज में सिस्टम की संवेदनहीनता का एक भयावह चेहरा भी प्रस्तुत किया है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हुए 'क्रिटिकल केयर सेंटर' और कागजों पर चमकते जिला अस्पताल की जमीनी हकीकत आज उस समय तार-तार हो गई, जब अस्पताल परिसर से दो ऐसे वीडियो वायरल हुए जिन्हें देखकर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की रूह कांप जाए।

शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए दो अलग-अलग वीडियो ने जिला अस्पताल के प्रबंधन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह घटनाक्रम गुरुवार सुबह करीब 11:00 बजे का है।

अस्पताल परिसर में मानवता को शर्मसार करने वाले ये दृश्य उस समय देखे गए जब अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ थी, लेकिन उन्हें सहायता देने वाला कोई नहीं था। अस्पताल में स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की इस कदर किल्लत देखने को मिली कि परिजनों को स्वयं ही 'वार्ड बॉय' और 'स्ट्रेचर' की भूमिका निभानी पड़ी।

बीमार महिला को पीठ पर लादकर ले जाने की मजबूरी

वहीं, दूसरी तस्वीर और भी अधिक विचलित करने वाली है। एक अन्य बीमार महिला, जिसकी स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही थी, उसे अस्पताल के भीतर ले जाने के लिए न तो व्हीलचेयर मिली और न ही कोई स्ट्रेचर उपलब्ध कराया गया। महिला दर्द से कराह रही थी, लेकिन सिस्टम के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। अंततः, महिला के एक परिजन ने उसे अपनी पीठ पर लादा और वार्ड की ओर दौड़ पड़े। यह दृश्य किसी भी सभ्य समाज के लिए लज्जा का विषय है कि एक जिला स्तर के अस्पताल में, जहाँ संभाग स्तर की सुविधाएं होने का दावा किया जाता है, वहां एक बीमार महिला को जानवर की तरह पीठ पर ढोना पड़ रहा है।

दावों और हकीकत के बीच गहरी खाई

यह विडंबना ही है कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बड़े-बड़े विज्ञापनों और दावों के माध्यम से जनता को आश्वस्त करती है, लेकिन हकीकत में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। जिला अस्पताल में करोड़ों की लागत से क्रिटिकल केयर सेंटर की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तत्काल राहत मिल सके। परंतु यहाँ तो स्थिति यह है कि मरीज को वार्ड तक पहुँचाने के लिए प्राथमिक संसाधन तक उपलब्ध नहीं हैं। अस्पताल में वार्ड बॉय और अन्य सहायक कर्मचारियों की लंबी-चौड़ी फौज कागजों पर तैनात है, लेकिन धरातल पर वे अक्सर अपनी सीटों से नदारद मिलते हैं।

कुर्सी बनी स्ट्रेचर, घिसटते हुए वार्ड तक पहुँचा घायल

पहले वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक, जो संभवतः किसी दुर्घटना में घायल हुआ था, उसे सीटी स्कैन के लिए ले जाया गया था।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद घायल को वापस वार्ड तक ले जाने के लिए परिजनों ने घंटों तक स्ट्रेचर का इंतजार किया। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने वहां मौजूद कर्मचारियों से कई बार गुहार लगाई, लेकिन किसी ने उनकी सुध नहीं ली। अंत में, बेबस परिजनों ने अस्पताल के गलियारे में रखी एक पुरानी और टूटी हुई कुर्सी का सहारा लिया। घायल युवक को उस कुर्सी पर बैठाया गया और परिजन उसे खींचते हुए वार्ड तक ले गए।

जिम्मेदारों का मौन और जनता का आक्रोश

हैरानी की बात यह है कि गुना जिला अस्पताल में इस तरह की संवेदनहीनता का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते एक महीने के भीतर ही यह दूसरी बड़ी घटना है जिसने अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगाए हैं। बार-बार ऐसी घटनाएं होने और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई करने के बजाय मौन साधे हुए हैं। अधिकारियों की यह चुप्पी लापरवाही को संरक्षण देने जैसा प्रतीत होती है। इन वीडियो के सामने आने के बाद शहर के नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि जिला अस्पताल की यही स्थिति रही, तो गरीब मरीजों का भगवान ही मालिक है। सवाल यह उठता है कि आखिर इन अव्यवस्थाओं का जिम्मेदार कौन है? क्या आधुनिक मशीनों और भव्य इमारतों से ही स्वास्थ्य सेवाएं सुधर जाएंगी, या फिर इसके लिए मानवीय दृष्टिकोण और जवाबदेही की भी आवश्यकता है?

140 साल पुराने बलिदान को किया याद, नए श्रम कानूनों के खिलाफ आंदोलन का आह्वान

नवभारत न्यूज

गुना। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मजदूरों के अधिकारों और उनके संघर्ष को याद किया गया। नगरपालिका के समीप आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मजदूर संगठनों और उनके प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर हुंकार भरी और वर्तमान परिस्थितियों में मजदूरों के सामने खड़ी चुनौतियों पर चर्चा की।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बताया कि मई दिवस का इतिहास 140 वर्ष पुराना है, जब मजदूरों ने '8 घंटे काम' के अधिकार की मांग को लेकर विश्वव्यापी आंदोलन शुरू किया था। उस दौरान सैकड़ों मजदूर शहीद हुए थे, जिनके बलिदान के फलस्वरूप ही दुनिया भर के कामगारों को सम्मानजनक कार्य दशाएं प्राप्त हुईं। आज का दिन उन्हीं शहीदों को याद करने और उनके संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का है। कार्यक्रम के दौरान मजदूर नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा।

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने वर्षों के संघर्ष के बाद बने 29 मजदूर हितैषी कानूनों को समाप्त कर दिया है और उनके स्थान पर 4 नई श्रम संहिताएं लागू कर दी हैं। मजदूर प्रतिनिधियों का कहना है कि इन नई संहिताओं से भारत में मजदूरों के मौलिक अधिकार छिनने की कगार पर हैं। न्यूनतम मजदूरी, काम के घंटे और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर मजदूरों की सुरक्षा कमजोर हुई है। नगरपालिका के पास जुटी भीड़ ने एक स्वर में कहा कि यदि सरकार ने मजदूरों के अधिकारों का हनन बंद नहीं किया, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। मजदूर संगठनों ने चेतावनी दी है कि वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक बार फिर सड़क पर उतरकर बड़े आंदोलन और संघर्ष का रास्ता अपनाएंगे।

दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे में दबोचकर भेजा जेल

गुना। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व में जिले में नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आरोन पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने न केवल अपहृत किशोरी को सुरक्षित दस्तयाब किया, बल्कि उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को भी मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। मामले के अनुसार, 26 अप्रैल 2026 को एक महिला ने आरोन थाने में अपनी 17 वर्षीय पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर किशोरी की तलाश शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर एवं एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के मार्गदर्शन में थाना पुलिस द्वारा किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप 29 अप्रैल को किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

मां की तेरहवीं की चिट्ठी बांटने जा रहे बेटे की सड़क हादसे में मौत

गुना। जिले के बरखेड़ागिर्द निवासी एक बुजुर्ग की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक पूरन आदिवासी अपने दामाद के साथ तेरहवीं की चिट्ठी बांटने जा रहे थे। दर्दनाक पहलू यह है कि पूरन की मां का निधन कुछ ही दिन पहले हुआ था। अब बेटे की मौत ने भी पूरे गांव को शोकमग्न कर दिया है। घटना गुरुवार की शाम करीब 4 बजे की है। ग्राम बरखेड़ागिर्द निवासी 55 वर्षीय पूरन आदिवासी अपने दामाद नवल सिंह आदिवासी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर रिश्तेदारों को चिट्ठी देने के लिए निकले थे। जैसे ही वे नेशनल हाईवे-46 पर चिंताहरण के समीप पहुंचे, एक तेज रफ्तार अज्ञात आयशर ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूरन आदिवासी ट्रक की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, उनके दामाद नवल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका उपचार कराया जा रहा है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, पूरन की मां सुंदर बाई का निधन बीते 22 अप्रैल को हुआ था। आगामी 4 मई को उनकी तेरहवीं का कार्यक्रम होना था।

गीता को मिला 'कांस फिल्म फेस्टिवल 2026' का निमंत्रण

गुना। सपनों को पूरा करने की कोई निश्चित उम्र नहीं होती, इस बात को गुना की गीता सोनी ने चरितार्थ कर दिखाया है। अपनी प्रतिभा और कड़े संघर्ष के दम पर उन्होंने विश्व के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोह 'कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026' में शामिल होने का विशेष निमंत्रण प्राप्त कर जिले और प्रदेश का मान बढ़ाया है।

यह अंतरराष्ट्रीय समारोह फ्रांस में 12 से 18 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान गीता सोनी को प्रतिष्ठित रेड कार्पेट पर चलने का अवसर मिलेगा, जहाँ वे वैश्विक हस्तियों के साथ शामिल होंगी। यह किसी भी भारतीय महिला के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है कि वे एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। गीता सोनी का यह सफर उपलब्धियों से भरा रहा है। वे इससे पहले वर्ष 2021 में 'हौट मोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड' के सीजन 10 में रनर-अप रह चुकी हैं।

उनकी इन उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2021 में तत्कालीन गुना कलेक्टर द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया था।

नरवाई की आग और आंधी ने मचाया तांडव, भैंस ढूंढने निकले एक ही परिवार के 4 सदस्य झुलसे, दो बच्चे भोपाल रेफर

गुना। राघौगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम राजपुरा में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। अपनी गुम हुई भैंस को ढूंढकर घर लौट रहे एक ही परिवार के चार सदस्य पड़ोसी के खेत में लगी नरवाई की आग की चपेट में आ गए। इस हादसे में चारों बुरी तरह झुलस गए हैं, जिनमें से दो मासूम बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है।

गुरुवार की रात करीब 8:30 बजे की है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि ग्राम राजपुरा निवासी गुर्जर परिवार के चार सदस्य अपनी भैंस को लेकर वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पड़ने वाले एक पड़ोसी के खेत में नरवाई जल रही थी। अचानक मौसम बदला और तेज आंधी चलने लगी। रात के अंधेरे और आंधी के कारण आग की लपटें तेजी से फैलीं और चारों सदस्य आग के घेरे के बीच फंस गए। जब तक वे कुछ समझ पाते, लपटों ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना में 11 साल का संजू गुर्जर और 14 वर्षीय लक्ष्मीकांत गुर्जर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन दोनों को भोपाल रेफर किया गया है। घायल लक्ष्मीकांत और रजनीकांत दोनों सगे भाई हैं। बच्चों की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत भोपाल भेजने का निर्णय लिया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। कलेक्टर के निदेर्शानुसार राघौगढ़ एसडीएम और डिप्टी कलेक्टर अमित कुमार सोनी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवार से मुलाकात की। शासन की ओर से पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता के रूप में 50 हजार की आर्थिक राशि प्रदान की गई है। प्रशासन ने परिवार को आगे भी हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है।

भाविप 'अहिल्या' शाखा का दायित्व ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

गुना। भारत विकास परिषद, शाखा अहिल्या गुना का भव्य 'दायित्व ग्रहण एवं सम्मान समारोह' 30 अप्रैल 2026, गुरुवार को देर सायं स्थानीय होटल गुना में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। दायित्व ग्रहण समारोह में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यवाह अशोक अग्रवाल एवं मुख्य अतिथि गुना नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित कर अहिल्या शाखा के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अध्यक्ष एवं सचिव सहित सभी नवीन दायित्व बान पदाधिकारियों को बधाई शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय महासचिव नीरज अग्रवाल ने की। दायित्व ग्रहण अधिकारी श्री

अग्रवाल ने अहिल्या शाखा की नवनियुक्त अध्यक्ष नीरज अवस्थी एवं सचिव रेनू विकास जैन और कोषाध्यक्ष सरिता ग्रोवर सहित नवीन कार्यकारिणी, प्रकल्प प्रभारियों एवं संयोजकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान निवर्तमान शाखा कार्यकारिणी ने विधिवत रूप से नवीन कार्यकारिणी को कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर प्रांतीय पौधारोपण संयोजक नीरज सिंह भदोरिया, प्रांतीय पौधारोपण सहसंयोजक शशिकांत दीक्षित, प्रांतीय निवर्तमान संपर्क गतिविधि संयोजक आनंद कृष्णानी, एकल अभियान पी सेवन जागरण शिक्षा प्रभारी विकास जैन नखराली, प्रांतीय संस्कार सहसंयोजक एवं अहिल्या शाखा की संरक्षक इंदु सोनी, गुना शाखा अध्यक्ष प्रमोद महाराज, सचिव राधे श्याम गौर, कोषाध्यक्ष आशीष सक्सेना, शाखा अहिल्या उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक कृष्णा परिहार, कार्यक्रम सेवा गतिविधि संयोजक अनुपमा भार्गव, उपाध्यक्ष सुषमा शर्मा, संस्कृति गतिविधि संगठन सचिव, शकुन सेंगर, संयोजक प्रतिभा मिश्रा, संपर्क गतिविधि संयोजक शालिनी धाकड़, पर्यावरण गतिविधि संयोजक कुमारी प्रियंका यादव, जन्मदिवस संयोजक अनीता सोनी सहित शाखा अहिल्या के सभी सम्माननीय सदस्यों की कार्यक्रम में सहभागिता रही।

कार्यक्रम में गत वर्ष सत्र 25-26 के सफल कार्यक्रमों के प्रकल्पों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले उत्कृष्ट संयोजकों को निवर्तमान अध्यक्ष इंदु सोनी द्वारा सदस्यों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया साथ ही उन्होंने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया एवं निवर्तमान सचिव नीरज अवस्थी ने वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि निवर्तमान कोषाध्यक्ष सरिता ग्रोवर ने आय-व्यय का ब्यौरा साझा किया। पदभार ग्रहण के बाद नवीन अध्यक्ष नीरज अवस्थी ने सभी का स्वागत किया। नवीन सचिव रेनू विकास जैन ने सत्र 2026-27 का संकल्प पत्र पढ़ा एवं कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व कोषाध्यक्ष सरिता ग्रोवर ने आगामी बजट प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम का मंच संचालन शालिनी धाकड़ एवं सुषमा शर्मा द्वारा किया गया।

सफाई अभियान जनसहयोग से शुरू हुआ सफाई और श्रमदान अभियान

पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने तालाबों को संवारने के लिए उठाया जिम्मा

नवभारत न्यूज

राघौगढ़। शासन की तालाब संरक्षण योजनाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल उठाते हुए राजगढ़ के पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने शुक्रवार से धीरपुर स्थित प्राचीन तालाबों को सहेजने के लिए एक विशेष सफाई अभियान का आगाज किया। कचरे और उपेक्षा के कारण अपनी पहचान खो रहे इन प्राकृतिक जल स्त्रोतों को बचाने के लिए उन्होंने स्वयं नाव से तालाब के बीच पहुंचकर श्रमदान किया और नागरिकों से इसे कचरामुक्त बनाने का आह्वान किया। देवभूमि स्थित धीरपुर के तीन प्राचीन तालाब वर्तमान में अनदेखी के चलते बदहाली का शिकार हैं। एक तालाब में कचरे का अंबार लगा है, जबकि अन्य दो सूखे तालाबों की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। तालाबों की इस दुर्दशा को देखते हुए

लक्ष्मण सिंह ने जनभागीदारी के माध्यम से इनके जीर्णोद्धार की पहल की। शुक्रवार सुबह 7 बजे लगभग आधा सैकड़ा युवाओं और समर्थकों के साथ यह अभियान शुरू हुआ, जो लगातार 3 घंटे तक चला। इस दौरान युवाओं ने उत्साह के साथ तालाब में उतरकर कचरा साफ किया। अभियान के दौरान एक विरोधाभासी स्थिति भी देखने को मिली। सफाई के लिए नगरपालिका की जेसीबी मशीन तो मौके पर पहुंच गई, लेकिन नगरपालिका का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी वहां नजर नहीं आया। लक्ष्मण सिंह ने कड़े लहजे में कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक तालाब पूरी तरह कचरामुक्त नहीं हो जाते। उन्होंने 'आओ हम सब राघौगढ़वासी' का संदेश देते हुए क्षेत्र के तीनों प्राचीन तालाबों को सुरक्षित करने की अपील की।

पंचायत क्षेत्र में रखने की मांग

लक्ष्मण सिंह ने स्पष्ट किया कि यह श्रमदान अभियान फिलहाल एक सप्ताह तक निरंतर चलेगा। उन्होंने अपनी प्रमुख मांग रखते हुए कहा कि धीरपुर के इन तीनों तालाबों को पंचायत के अधिकार क्षेत्र में ही रखा जाना चाहिए। उन्होंने जिम्मेदारों पर तंज कसते हुए कहा कि वर्तमान में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को यह तक स्पष्ट नहीं है कि ये तालाब शहरी सीमा में आते हैं या पंचायत क्षेत्र में।

इनकी रही सक्रिय भागीदारी

इस पुनीत कार्य में वरिष्ठ अभिभाषक अशोक कुमार भार्गव, ब्रह्मेंद्र बोहरे, गजानंद सोनी, राजकुमार अग्रवाल, राहुल वत्स, प्रशांत अग्रवाल, पंकज दीक्षित, भारत पटवा, गगन केवट, पप्पू परिहार, सुधीर सेन और शैलेंद्र सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने श्रमदान कर अपना योगदान दिया। नागरिकों का मानना है कि इस तरह की जनभागीदारी से न केवल जल स्त्रोतों का संरक्षण होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संकट से निपटने में भी मदद मिलेगी।

बेमौसम आंधी-तूफान का जिलेभर में तांडव, जामनेर में धराशायी हुए दो मकान, रेलवे स्टेशन का गेट गिरा

नवभारत न्यूज

गुना। जिले में पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ है। 29 और 30 अप्रैल की दरम्यानी रात आए भीषण आंधी-तूफान और बारिश ने जिले के कई हिस्सों में जमकर तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण जहां शहर में आवागमन प्रभावित हुआ, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार बेघर हो गए हैं और लोगों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

खासकर, 30 अप्रैल की रात करीब 10 बजे आई तेज आंधी के कारण गुना शहर के रेलवे स्टेशन का पुराना मुख्य गेट अचानक धराशाई हो गया। गनीमत रही कि जिस वक्त गेट गिरा, वहां से गुजर रहे लोग बाल-बाल बच गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों और मौके पर मौजूद पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए गिरे हुए भारी-भरकम गेट को

उठाकर एक तरफ किया, ताकि रास्ता साफ हो सके। तूफान का सबसे भयावह रूप जामनेर थाना क्षेत्र के ग्राम शीतलपुर में देखने को मिला। यहां आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई नवनिर्मित मकानों की दीवारें ढह गईं और छतों पर लगी लोहे की टीन शेड हवा में उड़कर दूर जा गिरीं। गांव के निवासी गोपाल सिंह परिहार का मकान इस आपदा की भेंट चढ़ गया। रात लगभग 11 बजे जब परिवार घर के अंदर था, तभी अचानक दीवार गिर गई। मलबे की ईंटें सिर पर लगने से गोपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला।

गोपाल सिंह के अनुसार, उनकी पूरी गृहस्थी तबाह हो गई है और लगभग एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इसी गांव के एक अन्य ग्रामीण मोनू परिहार के घर की दीवार भी आंधी के कारण गिर गई। ग्रामीणों ने बताया कि हवा चलते ही गांव में हड़कंप मच गया था और लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचकर अपनी जान बचाई।